(8)

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-16

पाण्डुलिपिविज्ञान-लिपिविज्ञानकार्यशाला

(दिनाङ्कः 26.02.2022 – 07.03.2022)

दिनांक 23.03.2022

प्रतिवेदन

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आधुनिक विषय पीठ के अन्तर्गत शोधविभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीया ''पाण्डुलिपिविज्ञान-लिपिविज्ञानकार्यशाला'' का ऑनलाइन आयोजन दिनाङ्क 26.02.2022 से 07.03.2022 तक किया गया। कार्यशाला में निम्नलिखित 10 विद्वानों ने अधोलिखित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण कार्य किया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यावारिधि सत्रीय पाठ्यक्रम के छात्रों ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया।

दिनांक	व्याख्यानकर्ता	विषय
26/02/2022	प्रो. प्रफुल्ल कमार मिश्र	1.पण्डुलिपिविज्ञाने पारिभाषिकपदानां परिचयः 2.हस्तलेखेषु दोषकारणानि तेषां परिहारोपायाश्च
27/02/2022	प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र	1.पाण्डुलिपिलेखनकलायाः उद्भव विकासश्च 2.पाण्डुलिपिलेखनसाधनानि
28/02/2022	प्रो. गयाचरण त्रिपाठी	1.पाण्डुलिपिसंरक्षणे भारतीयविदुषां योगदानम्
28/02/2022	प्रो. सुधीर कुमार आर्य	1.पाण्डुलिपिसंरक्षणोपायः
01-04/03/2022	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा	1.लिपिपरिचयः, 2.प्राचीनदेवनागरीलिपिः, नेवारीलिपिः 3.ब्राह्मीलिपिः, शारदालिपिः, ग्रन्थलिपिः, 4.लिपीनाम् अभ्यासः
01-04/03/2022	प्रो. बसन्त कुमार भट्ट	1.सम्पादनपद्धतिः, पाण्डुलिपेः परिचयः, 2.वंशवृक्षनिर्माणक्रमः 3.पाठालोचनसिद्धान्तः, 4.पाठालोचनम्
05/03/2022	प्रो. अजय कुमार शुक्ल	1.शोधक्षेत्रे साहित्यिकचौर्यं तस्य परीक्षणायोपकरणानि
05-06/03/2022	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	1.सूचीनिर्माणपद्धतिः 2.सूचीनिर्माणस्येतिहासः, तत्र नानाविदुषां योगदानम्
07.03.2022	प्रो. गिरीनाथ झा	1.शोधक्षेत्रे संगणकस्योपयोगः
07.03.2022	प्रो. रहसविहारी द्विवेदी	1.समीक्षात्मकसंस्करणस्य वैशिष्ट्यं, विशेषतः रामायण-महाभारतसन्दर्भे

कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक जी अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन में अतिथियों का स्वागत शोधविभाग के वरिष्ठाचार्य पूर्व कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन आधुनिक विषय पीठ प्रमुख प्रो. सविता शर्मा ने किया। शोधच्छात्रों ने वैदिक एवं पौराणिक मंगलाचरण किया। समस्त सत्रों का संचालन शोधविभागाध्यक्ष प्रो. शिवशङ्कर मिश्र ने किया। कार्यशाला में प्रतिदिन 90-90 मिनट के दो विशिष्ट व्याख्यान विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किये गये। उक्त विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यानों से विश्वविद्यालय के शोधच्छात्र निश्चय ही लाभान्वित हुये। कार्यशाला के संयोजन में शोधविभाग के सहयोगी प्रूफ रीडर डॉ. जीवन कुमार भट्टराई ने पूर्ण सहयोग दिया। कार्यशाला के समस्त व्याख्यान ऑनलाइन (गूगल मीट) के माध्यम से आयोजित किये गये।

उक्त कार्यशाला का सफल संयोजन शोधविभागाध्यक्ष प्रो. शिवशङ्कर मिश्र द्वारा सम्पन्न किया गया।

(प्रो. शिवशङ्कर मिश्र)
शोधविभागाध्यक्ष